27/10/68 प्रातः ही रही हुई प्वाइंट्स :– बाप को याद करो तो तुम्हारे पाप कट जावेंगे। पुण्य करते–2 पुण्या(त्मा) बन जावेंगे। यहाँ जमा होता है फिर नाई होगा। व्यापार है ना। अभी जमा होता है। तुम आधा कल्प पुण्यात्मा बनते हो। फिर विकार में जाने से पापात्मा बन जाते हो। यह है कयामत का समय। सभी का हिसाब–किताब चुक्तू होना है ड्रामा के प्लैन अनुसार। सज़ा मिलने में टाइम नहीं लगता है। बल चढ़ाने का रिवाज भी कितना समय चला हुआ है। देवी पर मनुष्य का बल अभी तब छिपाकर चढ़ाते हैं। यह तो खूनी लोगों का काम है तो आदमखोर मनुष्य थे। देवी पर बल चढ़ाते थे। फिर उसको महाप्रसाद समझ खाते थे। कितना यह गिरे हुए हैं जरूर यह ऊँच थे। फिर गिरना भी इस समय ही है। बेअकल भी बनते हैं। अच्छा।

हेलो मधुबन गुलशन फुलवारी से हम सभी आत्माओं फूलों का दिल व जान सिक व प्रेम से प्यार ले बेहद के बागवान सहित बहुत–2 स्नेह सुगन्ध स्वीकार करना जी।